

શૈતાની તાકતોં સે કેસે બચ્યું?



shaitānī tāqatoñ se kaise bachūñ?

Freedom From Occult Forces

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 25]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org

published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is derived from Bucarama-TLM
<https://pixabay.com/illustrations/maundy-thursday-holy-thursday-7870823/>.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

मुझसे पाक-साफ़ हो जाओ	3
रोज़ाना पाक-साफ़ हो जाओ	8
मेरी खादिमाना रुह अपनाओ	10
शैतानी ताक़तों से मेरी हिफ़ाज़त क़बूल करो	12
इंजील, यूहन्ना 13:1-30	14

► हम शैतानी ताक़तों से किस तरह निपट सकते हैं?

हर एक का अपना ही तरीक़ा होता है। अकसर तावीज़ रखते हैं। बहुत लोग पीर के पास जाते हैं। अनगिनत और तरीक़े भी देखने में आते हैं।

► इतने तरीक़े क्यों होते हैं?

इसलिए कि हम सबको शैतानी ताक़तों का तजरिबा हुआ करता है। किसी की बुरी नज़र लग जाती है। या काले जादू से कोई हादसा होता है। कभी सपनों में, कभी जागते वक्त शैतानी ताक़तें हमारे पल्ले पड़ती रहती हैं। लेकिन इनके काबू में रहने की ज़रूरत नहीं है। इंजील शरीफ़ हमें इनसे बचने का हल बताती है।

► इंजील शरीफ़ हमें इनसे बचने का क्या हल बताती है?

आइए हम यूहन्ना की इंजील में पेश किए गए हल पर गौर करें। फ़सह की ईद शुरू होनेवाली थी। इसा मसीह जानता था कि थोड़ी देर बाद मुझे इस दुनिया को छोड़कर बाप के पास वापस जाना है।

► ईसा मसीह को किस तरह खुदा बाप के पास जाना था?

सलीबी मौत के रास्ते से।

दिन ढलने लगा तो शाम का खाना तैयार हुआ। खाने में यहूदाह भी शरीक था, वही जो उसे दुश्मन के हवाले करेगा। इसा मसीह को बहुत दुख हो रहा था क्योंकि वह यह जानता था। लेकिन वह यह भी जानता था कि मेरी सलीबी मौत ज़रूरी है। साथ साथ वह महसूस कर रहा था कि अब वक्त आ गया है कि मैं अपने शागिर्दों को एक बहुत अहम सबक़ सिखाऊँ। उसने दस्तरखान से उठकर अपना लिबास उतार दिया और कमर पर तौलिया बाँध लिया। फिर बासन में पानी डालकर वह शागिर्दों के पाँव बारी बारी धो धोकर तौलिया से खुश करने लगा। शागिर्द दंग रह गए।

- **वह क्यों दंग रह गए? क्या पाँव धोना आम-सा काम नहीं था?**
ज़रूर। क़दीम ज़माने के अकसर रास्ते पक्के नहीं थे। वह धूल और कीचड़ से भरे रहते थे। आम लोग या नंगे पाँव या चमड़े के चप्पल पहने सफ़र करते थे। ज़ाहिर है कि रोज़ाना अपने पाँवों को धोना पड़ता था। वैसे भी इस खास मौके पर ज़रूरी था कि सब अपने पाँव धो लें।
- **तो फिर शागिर्द क्यों दंग रह गए?**
इसलिए कि उनका उस्ताद यह काम कर रहा था।
- **यह क्यों हैरानी की बात थी?**
ऐसा काम बहुत गंदा समझा जाता था। आम तौर पर शायद ही कोई गुलाम या लौटी दूसरों के पाँव धोती थी।

इसलिए जब उस्ताद ने अपना लिबास उतारकर कमर पर तौलिया बाँध लिया तो तमाम शागिर्द बुत बन गए। पतरस की बारी आई तो उसने कहा, “खुदावंद, आप मेरे पाँव धोना चाहते हैं?”

ईसा मसीह ने जवाब दिया, “इस वक्त तू नहीं समझता कि मैं क्या कर रहा हूँ, लेकिन बाद में यह तेरी समझ में आ जाएगा।”

पतरस बोला, “मैं कभी भी आपको मेरे पाँव धोने नहीं दूँगा!”

► पतरस अपने एतराज़ से क्या कहना चाहता है?

- पहले, यह शर्म की बात है कि आप हमारे पाँव धो रहे हैं।
- दूसरे, ऐ उस्ताद, आप यह क्यों कर रहे हैं? हम तो आपके एजंट, आपके वज़ीर हैं। हम ही बेहतर जानते हैं कि आपको क्या करना है। बस हम पर सारा मामला छोड़ दो।

► क्या आप ऐसे लोग जानते हैं जो अपने आपको खुदा के एजंट समझते हैं?

लेकिन ईसा मसीह की सोच हमारी सोच से बहुत फ़रक़ है। उसने क्या जवाब दिया? जवाब यह दिया कि

मुझसे पाक-साफ़ हो जाओ

उसने फ़रमाया, “अगर मैं तुझे न धोऊँ तो मेरे साथ तेरा कोई हिस्सा नहीं होगा।”

► इसका क्या मतलब है?

ज़रूरी है कि मैं ही तुझे धोऊँ। मेरा यह काम क़बूल करो तब ही तेरा मेरे साथ हिस्सा होगा।

► **मसीह के साथ हिस्सा होने का क्या मतलब है?**

जब मेरा मसीह के साथ हिस्सा है तो मैं उसके घर का हूँ, उसके घरवालों में से हूँ।

► **उसका घर कहाँ है?**

खुदा के पास। जन्मत कह लें या आसमान।

► **क्या हम अपनी कोशिशों से उसके घरवाले बन सकते हैं?**

कभी भी नहीं। लाज़िम है कि हम पहले अपने गुनाहों से पाक-साफ़ होकर शैतानी ताक़तों से आज़ाद हो जाएँ।

► **धोने से ईसा मसीह अपने एक ख़ास काम की तरफ इशारा कर रहा था। वह क्या है?**

वह अपनी सलीबी मौत की तरफ इशारा कर रहा था।

► **सलीबी मौत क्यों धोने की तरह है?**

उसकी सलीबी मौत हमें गुनाहों की गंद से धोकर शैतानी ताक़तों से छुड़ा देती है।

► **सलीबी मौत का रास्ता क्यों ज़रूरी था?**

हम अपने नेक कामों से खुदा को मनवा नहीं सकते कि वह हमें जहन्नम से छूट दे। कोई भी इनसान दावा नहीं कर सकता कि उसने अपने नेक कामों से अपने बुरे कामों को ढाँप दिया है।

► वह क्यों यह दावा नहीं कर सकता?

इसलिए कि हमारे तमाम नेक काम नाकाफ़ी हैं। हमारे बुरे कामों की गंद हमसे लिपटी रहती है और इन्हीं की वजह से हम शैतानी ताक़तों से धेरे रहते हैं। जिस तरह मक्खियाँ गले-सड़े खाने के इर्द-गिर्द भिभिन्नती रहती हैं, उसी तरह शैतानी ताक़तें हमारे बुरे कामों के बाइस हमारे इर्दगिर्द भिभिन्नती रहती हैं। जब तक यह गंद दूर न हो जाए कोई सहारा नहीं है।

किसी लड़के का ज़िक्र है जो ध्यान न देकर खुले गटर में गिर गया। शुक्र है कि बच गया। मगर जब निकला तो उसकी हालत क़ाबिले-रहम थी। पूरा बदन गंदे पानी से काला था, और बदबू चारों तरफ़ फैल गई।

► पहला काम क्या था, जो उसने किया?

उसने अच्छी तरह नहा लिया।

► क्या यह काफ़ी न होता अगर वह नहाने के बजाए अपने ऊपर खुशबू छिड़कता?

कभी नहीं। खुशबू छिड़कने से गंद दूर नहीं होती। बहुत इमकान भी होता कि वह बीमार पड़ जाता। यही हमारी खुदा के सामने हालत है। हम अपने नेक कामों की खुशबू से वह गंद दूर नहीं कर सकते जो हमारे बुरे कामों से हमसे लतपत हो गई है। खुशबू के बावुजूद यह बदबू रहती है। खुशबू के बावुजूद शैतानी ताक़तें हमें धेरे रखती हैं। पहले नहाने की ज़रूरत है, पाक-साफ़ हो जाने की ज़रूरत है।

तब ही खुशबू ठीक काम करेगी। तब ही शैतानी ताक़तों हमें छोड़ जाएँगी।

इसलिए ईसा मसीह इस दुनिया में उतर आया। उसने वह काम किया जो हम न कर पाए। सिर्फ़ उसका यह काम हमें धोकर हमारे बुरे कामों की गंद दूर कर सकता है। उससे हमारे गुनाह न सिर्फ़ माफ़ हो जाते हैं। उन्हें मिटाया भी जाता है।

► वह किस तरह मिटाए जाते हैं?

इससे कि ईसा मसीह ने सलीब पर हमारे गुनाहों की सज़ा उठाली है। ज्योंही हम उस पर ईमान लाते हैं हमारे गुनाह मिट जाते हैं, हम खुदा के सामने पाक-साफ़ होकर शैतानी ताक़तों से आज़ाद हो जाते हैं।

कभी कभी जब गटर बंद हो जाए तो किसी आदमी को गटर के पानी में उतरकर उसे खोलना पड़ता है। देखो, ईसा मसीह उस जैसा आदमी है। वह जो नूर है, जो सरासर पाक है इस दुनिया के गंदे गटर में उतर आया ताकि हमारे बुरे कामों की गंद दूर करके हमें शैतानी ताक़तों से बचाए।

► क्या आपने धोने का यह काम क़बूल कर लिया है?

ऐसा काम सिर्फ़ वह कर सकता है जो सरासर नूर, सरासर पाक है।

- छोटे बच्चे की मिसाल लो। क्या छोटा बच्चा अपने पॉवों पर खड़ा हो सकता है?
नहीं। छोटा बच्चा अपने माँ-बाप का एक काम भी नहीं कर सकता। माँ-बाप पैसे कमाते, उसकी देख-भाल करते, उसे खाना खिलाते, उसे नहाते हैं। यही खुदा के सामने हमारा हाल है।
- हम खुदा के सामने किस तरह बच्चे जैसे होते हैं?
हम अपने आपको छुड़ा नहीं सकते। यही बात ईसा मसीह पतरस को बताना चाहता था : तू नजात का यह काम नहीं कर सकता। छोटे बच्चे की तरह अपने हाथ मेरी तरफ फैला दे ताकि मैं तुझे धो दूँ, तुझे अपनी गोद में लेकर शैतानी ताक़तों से बचाए रखूँ।
ईसा मसीह के सामने यही हमारी हालत है। दुनिया में हम न उसके नुमाइंदे न उसके वज़ीर हैं। हम सिर्फ़ उसके क़र्ज़दार हैं। क्योंकि उसी ने सब कुछ हमारी खातिर किया है। हम अपनी नजात के लिए कुछ नहीं कर सकते। न नेक काम न हदिये हमें नजात दिला सकते हैं। खुदा के सामने न हम किसी और पर इलज़ाम लगा सकते हैं न कोई तक़ाज़ा कर सकते हैं। उसके सामने हम सब गुनाहगार ही हैं। इसलिए हमें उसकी ज़रूरत है जिसने हमारी जगह हमारी सज़ा बरदाश्त की।
- क्या आपने ईसा मसीह का पाक-साफ़ करनेवाला काम क़बूल किया है?

पतरस जैसा मत बनो। उसने सोचा, मुझसे ही धोने का काम हो जाएगा। मैं ही आपके लिए लड़ूँगा। मुझे आपकी मदद की क्या ज़रूरत है? आपको तो मेरी ही मदद की ज़रूरत है।

- क्या आप पतरस की तरह सोचते हैं कि मुझसे सब कुछ हो जाएगा? या क्या आपने अपनी ज़िंदगी मसीह के सुपुर्द की है? अपनी कोशिशों को छोड़ दो। अपने आप पर भरोसा मत करो। सिर्फ उस पर पूरा भरोसा करने से आप शैतानी ताक़तों से बच जाएँगे। सिर्फ उस पर एतमाद करने से आप अदालत के दिन बच जाएँगे। लेकिन ईसा मसीह एक और बात भी बताना चाहता है। यह कि

रोज़ाना पाक-साफ़ हो जाओ

- जब ईसा मसीह ने फ़रमाया कि मैं ही पाक-साफ़ करने का यह काम कर सकता हूँ तो पतरस ने क्या जवाब दिया?
वह बोला, “तो फिर खुदावंद, न सिर्फ़ मेरे पाँवों बल्कि मेरे हाथों और सर को भी धोएँ!”
- क्या आपने कुछ महसूस किया?
पतरस अब तक उस्ताद को बताना चाहता था कि उसे क्या करना है।
- तब ईसा मसीह ने क्या जवाब दिया?

जिस शब्द ने नहा लिया है उसे सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है, क्योंकि वह पूरे तौर पर पाक-साफ़ है। तुम पाक-साफ़ हो, लेकिन सबके सब नहीं।
(यूहन्ना 13:10)

- इसका क्या मतलब है? क्या वजह है कि सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है?

इसमें दो बातें जुड़ी हुई हैं :

- ईमान लाने से हम उसकी सलीबी मौत से एक बार सदा के लिए पाक-साफ़ हो जाते हैं। इससे हमें नजात यकीनी है।
- फिर भी रोज़ाना इसकी ज़रूरत है कि हम उसके हुज्जूर आकर उससे पाक-साफ़ किए जाएँ। जब तक हम दुनिया की गंदी गलियों में फिरते चलेंगे तब तक हमारे पाँव बार बार धूल और कीचड़ से लतपत हो जाएँगे, तब तक हमसे ग़लतियाँ होती रहेंगी। इसलिए ज़रूरी है कि हम रोज़ाना उससे मिन्नत करें कि वह हमारे पाँवों को धोए। वरना ख़तरा है कि हम आहिस्ता आहिस्ता दुबारा शैतानी ताक़तों की ज़द में आ जाएँ।

मेरे दोस्त, पतरस जैसे मत बनो। ईसा मसीह को मत बताना कि उसे क्या करना है। चुप रहो और उसे तकते रहो। उसी की आवाज़ सुनते रहो। क़बूल करो कि वही आपको रोज़ाना पाक-साफ़ कर सकता है। वही आपको रोज़ाना शैतानी ताक़तों से महफूज़ रख सकता है।

- ▶ लेकिन ईसा मसीह का क्या मतलब था कि सबके सब पाक-साफ़ नहीं हैं?

यहूदाह इस्करियोती पाक-साफ़ नहीं था।

- ▶ इससे हम क्या नतीजा निकाल सकते हैं?

अनगिनत लोग ईसा मसीह के शारिर्द कहलाते हैं लेकिन झूठे शारिर्द हैं। यहूदाह इनमें से एक था। वह पाक-साफ़ नहीं हो सकता था। वह शैतानी ताक्रतों से बच नहीं सकता था।

- ▶ क्यों?

उसके दिल ने ईसा मसीह को रद किया था। अपनी सलीबी मौत से ईसा मसीह ने हमें पाक-साफ़ करने का काम सरंजाम दिया। लेकिन सिर्फ़ वह नजात पाता है जो उसका यह काम क्रबूल करता है।

- ▶ क्या आपने मसीह की यह नजात क्रबूल की है?

तब ईसा मसीह ने एक तीसरी बात फ़रमाई। यह कि

मेरी खादिमाना रुह अपनाओ

सबके पाँव धोने के बाद ईसा मसीह दुबारा अपना लिबास पहनकर बैठ गया। उसने फ़रमाया,

क्या तुम समझते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है?
तुम मुझे ‘उस्ताद’ और ‘खुदावंद’ कहकर मुखातिब
करते हो और यह सही है, क्योंकि मैं यही कुछ हूँ।

मैं, तुम्हारे खुदावंद और उस्ताद ने तुम्हारे पाँव धोए।
इसलिए अब तुम्हारा फ़र्ज़ भी है कि एक दूसरे के पाँव
धोया करो। मैंने तुमको एक नमूना दिया है ताकि तुम
भी वही करो जो मैंने तुम्हारे साथ किया है। मैं तुमको
सच बताता हूँ कि गुलाम अपने मालिक से बड़ा नहीं
होता, न पैशंबर अपने भेजनेवाले से। अगर तुम यह
जानते हो तो इस पर अमल भी करो, फिर ही तुम
मुबारक होगे। (यूहन्ना 13:12-17)

► शागिर्दों का क्या फ़र्ज़ है?

फ़र्ज़ यह है कि वह एक दूसरे के पाँव धोया करें।

► क्यों?

इसलिए कि उनके उस्ताद और खुदावंद ने यह काम किया।

► क्या बड़ों के पाँव धोने पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए?

नहीं। सब बराबर हैं, चाहे बड़े हों या छोटे।

► क्यों?

क्योंकि उस्ताद और खुदावंद ने शागिर्दों की खातिर यह काम किया है।

► हम किस तरह एक दूसरे के पाँव धोते हैं?

इससे कि हम सबकी बराबर स्थिरता करते हैं। इसा मसीह यह तक़ाज़ा नहीं करता कि हम उसकी तरह अपनी जान देकर दूसरे को पाक-साफ़ करें। यह हम कर ही नहीं सकते। लेकिन जब उसने

हमारे लिए नजात का काम सरंजाम दिया तो क्या हमें उसके नमूने पर नहीं चलना चाहिए?

साथ साथ ईसा मसीह ने एक वादा भी किया,

जो शख्स उसे क्रबूल करता है जिसे मैंने भेजा है वह मुझे क्रबूल करता है। और जो मुझे क्रबूल करता है वह उसे क्रबूल करता है जिसने मुझे भेजा है।

(यूहन्ना 13:20)

► इस वादे का क्या मतलब है?

जो भी मसीह के नाम में आता है उसे क्रबूल करना है। जब हम उसे क्रबूल करते हैं तो हम मसीह को और उसमें खुदा बाप को क्रबूल करते हैं। तब ही हमें कसरत से बरकत मिलती है। एक दूसरे की खिदमत करने से हम तक़वियत भी पाते हैं, वह तक़वियत जिससे हम शैतानी ताक़तों से महफूज़ रहते हैं।

आखिरी बात जो ईसा मसीह हमें बताना चाहता है :

शैतानी ताक़तों से मेरी हिफाज़त क्रबूल करो

अब ईसा मसीह मुज़तरिब होने लगा। वह बोला, “मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुममें से एक मुझे दुश्मन के हवाले कर देगा।”

► ईसा मसीह ने यह क्यों फ़रमाया? अगर यह होना ही था तो यह कहने से क्या फ़रक़ पड़ता था?

- वह चाहता था कि हर एक अपने आपको परखे।

- वह यहूदा को तौबा करने का एक आखिरी मौका देना चाहता था।

शागिर्द उलझन में पड़ गए। तब एक शागिर्द ने ईसा मसीह की तरफ सर झुकाकर पूछा, “खुदावंद, यह कौन है?”

ईसा मसीह ने जवाब दिया, “जिसे मैं रोटी का लुकमा शोरबे में डुबोकर ढूँ वही है।” फिर लुकमे को डुबोकर उसने यहूदाह इस्करियोती को दे दिया। ज्योंही यहूदाह ने यह लुकमा ले लिया इबलीस उसमें समा गया। उस्ताद ने उसे बताया, “जो कुछ करना है वह जल्दी से कर ले।” दूसरों को मालूम न हुआ कि उस्ताद ने यह क्यों कहा। लेकिन लुकमा लेते ही यहूदाह बाहर निकल गया। रात का वक्त था।

- लुकमा लेने से हम यहूदाह के बारे में क्या सीखते हैं?

लुकमा लेने से यहूदाह ने अपनी ग़लत राह पर चलने का इसरार किया। मसीह ने पाक-साफ़ हो जाने की दावत दी पर यहूदाह ने यह दावत रद की। मसीह ने यहूदाह को तौबा करने का आखिरी मौका दिया पर यहूदाह ने इनकार किया। नतीजे में वह इबलीस के पूरे क़ब्जे में आ गया। अब वह ईसा मसीह की हिफाज़त से निकलकर इबलीस के राज में आ गया। अब वापस आना नामुमकिन हो गया। रात का वक्त था, और यहूदा के दिल में भी अंधेरा ही अंधेरा था।

- क्या आपको ईसा मसीह की हिफाज़त हासिल है?

पहले क़बूल करो कि वही आपको पाक-साफ़ कर सकता है। हाँ, वही आपको रोज़ाना पाक-साफ़ कर सकता है। वही आपको खिदमत की वह रुह दे सकता है जिससे सब पर बरकत बरसेगी। और वही आपकी शैतानी ताक़तों से हिफ़ाज़त कर सकता है।

इंजील, यूहन्ना 13:1-30

फ़सह की ईद अब शुरू होनेवाली थी। ईसा जानता था कि वह वक्त आ गया है कि मुझे इस दुनिया को छोड़कर बाप के पास जाना है। गो उसने हमेशा दुनिया में अपने लोगों से मुहब्बत रखी थी, लेकिन अब उसने आखिरी हद तक उन पर अपनी मुहब्बत का इज़हार किया।

फिर शाम का खाना तैयार हुआ। उस वक्त इबलीस शमाऊन इस्करियोती के बेटे यहूदाह के दिल में ईसा को दुश्मन के हवाले करने का इरादा डाल चुका था। ईसा जानता था कि बाप ने सब कुछ मेरे सुपुर्द कर दिया है और कि मैं अल्लाह में से निकल आया और अब उसके पास वापस जा रहा हूँ। चुनाँचे उसने दस्तरखान से उठकर अपना लिबास उतार दिया और कमर पर तौलिया बाँध लिया। फिर वह बासन में पानी डालकर शागिर्दों के पाँव धोने और बँधे हुए तौलिया से पोंछकर खुशक करने लगा। जब पतरस की

बारी आई तो उसने कहा, “खुदावंद, आप मेरे पाँव धोना चाहते हैं?”

ईसा ने जवाब दिया, “इस वक्त तू नहीं समझता कि मैं क्या कर रहा हूँ, लेकिन बाद में यह तेरी समझ में आ जाएगा।”

पतरस ने एतराज़ किया, “मैं कभी भी आपको मेरे पाँव धोने नहीं दूँगा!”

ईसा ने जवाब दिया, “अगर मैं तुझे न धोऊँ तो मेरे साथ तेरा कोई हिस्सा नहीं होगा।”

यह सुनकर पतरस ने कहा, “तो फिर खुदावंद, न सिर्फ़ मेरे पाँवों बल्कि मेरे हाथों और सर को भी धोएँ!”

ईसा ने जवाब दिया, “जिस शख्स ने नहा लिया है उसे सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है, क्योंकि वह पूरे तौर पर पाक-साफ़ है। तुम पाक-साफ़ हो, लेकिन सबके सब नहीं।” (ईसा को मालूम था कि कौन उसे दुश्मन के हवाले करेगा। इसलिए उसने कहा कि सबके सब पाक-साफ़ नहीं हैं।)

उन सबके पाँव धोने के बाद ईसा दुबारा अपना लिबास पहनकर बैठ गया। उसने सवाल किया, “क्या तुम समझते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है? तुम मुझे ‘उस्ताद’ और ‘खुदावंद’ कहकर मुख्यातिब करते हो और यह सही है, क्योंकि मैं यही कुछ हूँ। मैं, तुम्हारे खुदावंद और उस्ताद ने तुम्हारे पाँव धोए। इसलिए

अब तुम्हारा फ़र्ज़ भी है कि एक दूसरे के पाँव धोया करो। मैंने तुमको एक नमूना दिया है ताकि तुम भी वही करो जो मैंने तुम्हारे साथ किया है। मैं तुमको सच बताता हूँ कि गुलाम अपने मालिक से बड़ा नहीं होता, न पैगंबर अपने भेजनेवाले से। अगर तुम यह जानते हो तो इस पर अमल भी करो, फिर ही तुम मुबारक होगे। मैं तुम सबकी बात नहीं कर रहा। जिन्हें मैंने चुन लिया है उन्हें मैं जानता हों। लेकिन कलामे-मुक़द्दस की इस बात का पूरा होना ज़रूर है, ‘जो मेरी रोटी खाता है उसने मुझ पर लात उठाई है।’ मैं तुमको इससे पहले कि वह पेश आए यह अभी बता रहा हूँ, ताकि जब वह पेश आए तो तुम ईमान लाओ कि मैं वही हूँ। मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो शख्स उसे क़बूल करता है जिसे मैंने भेजा है वह मुझे क़बूल करता है। और जो मुझे क़बूल करता है वह उसे क़बूल करता है जिसने मुझे भेजा है।”

इन अलफ़ाज़ के बाद ईसा निहायत मुज़तरिब हुआ और कहा, “मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुममें से एक मुझे दुश्मन के हवाले कर देगा।”

शागिर्द उलझन में एक दूसरे को देखकर सोचने लगे कि ईसा किसकी बात कर रहा है। एक शागिर्द जिसे ईसा प्यार करता था उसके क़रीबतरीन बैठा था। पतरस ने उसे इशारा किया कि वह उससे दरियाप्रत करे कि वह किसकी बात कर रहा है।

उस शागिर्द ने ईसा की तरफ सर झुकाकर पूछा, “खुदावंद, यह कौन है?”

ईसा ने जवाब दिया, “जिसे मैं रोटी का लुकमा शोरबे में डुबोकर दूँ, वही है।” फिर लुकमे को डुबोकर उसने शमाऊन इस्करियोती के बेटे यहूदाह को दे दिया। ज्योंही यहूदाह ने यह लुकमा ले लिया इबलीस उसमें समा गया। ईसा ने उसे बताया, “जो कुछ करना है वह जल्दी से कर ले।” लेकिन मेज़ पर बैठे लोगों में से किसी को मालूम न हुआ कि ईसा ने यह क्यों कहा। बाज़ का ख्याल था कि चूँकि यहूदाह ख़ज़ानची था इसलिए वह उसे बता रहा है कि ईद के लिए दरकार चीज़ें खरीद ले या ग़रीबों में कुछ तक़सीम कर दे। चुनाँचे ईसा से यह लुकमा लेते ही यहूदाह बाहर निकल गया। रात का वक्त था।